Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2524

[Total No. of Pages : 2

[4802] - 1011

M.A. (Semester - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र - 1 : सामान्य स्तर

प्राचीन और मध्ययुगीन काव्य

(अमीर खुसरो और जायसी)

(2013-14 पॅटर्न) (Credit and Semester System)

पाठ्यपुस्तकें :– i) अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य
संपादक : डॉ. भोलानाथ तिवारी

ii) पद्मावत
संपादक : वासुदेवशरण अग्रवाल

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) अमीर खुसरो के गीतों की विशेषताओं पर प्रकार डालिए।

अथवा

अमीर खुसरो की मुकरियों में चित्रित लोकरंजकता को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) रानी पद्मावती का चरित्र चित्रण कीजिए।

अथवा

पद्मावत के महाकाव्यत्व पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3) ''अमीर खुसरो की रचनाओ में समकालीन समाज जीवन का चित्रण हुआ है''। स्पष्ट कीजिए।

अथवा

पद्मावत में चित्रित प्रकृति के विविध रूपों का वर्णन कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) अमीर खुसरो की काव्य कला;

ख) अमीर खुसरो के ढकोसलों में मनोरंजन;

ग) नागमती;

घ) पद्मावत में अलंकार योजना।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

क) सावन भादों बहुत चलत है, माघ–पूस में थोरी।
अमीर खुसरो यों कहे तू बूझ पहेली मोरी।।

अथवा

वह आये तब शादी होय।
उस बिन दूजा और न कोय।।
मीठे लागै वाके बोल।
ऐ सखी साजन ना सखी ढोल।।

ख) फागुन पवन झँकोरे बहा। चोगुन सीउ जाइ किमि सहा।।
तन जस पियर पात भा मोरा। बिरह न रहै पवन होइ झोरा।।
तरिवर झरै झरै बन ढाँखा। भइ अनपत्त फूल फर साखा।।
करिन्ह बनाफति कीन्ह हुलासू। मो कहँ या जग दून उदासू।।

अथवा

सुअै कहा हमहूँ अस भूले। टूट हिडोर गरब जेहि झूले।।
केरा के बन लीन्ह बसेरा। परा साथ तहँ बैरी केरा।।
सुख कुरिआर फरहरी खाना। बिख भा जबहिं बिआध तुलाना।।
काहेक भोग बिरिख अस फरा। अड़ा लाइ पंखन्हि कहँ धरा।।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2525

[Total No. of Pages : 2

[4802] - 1012

M.A. (Part - I) (Semester - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र - 2 : विशेष स्तर

आधुनिक हिंदी कथा साहित्य

(उपन्यास और कहानी)

(2013-14 पॅटर्न) (Credit and Semester System)

पाठ्यपुस्तकें :– i) **कलि–कथा वाया बाइपास**
संपादक : अलका सरावगी

ii) **हिंदी की श्रेष्ठ कहानियाँ**
संपादक : डॉ. सुरेश बाबर
डॉ. विठ्ठलसिंह ढाकरे

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) 'आधुनिक हिंदी कहानी में जीवन का यथार्थ और वैविध्यपूर्ण चित्रण हुआ है' –पठित कहानियों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'वर्तमान हिंदी कहानी में स्त्री–संघर्ष चित्रित हुआ है'– पठित कहानियों के आधार पर प्रस्तुत कथन की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 2) 'किशोर बाबू के जीवन की कथा एक मामूली आदमी का इतिहास ही सही, पर उसे अलिखित नहीं रहना चाहिए'–इस कथन को केंद्र में रखकर 'कलि–कथा: वाया बाइपास' उपन्यास की कथावस्तु प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

बाइपास आपरेशन के बाद आरंभ हुआ किशोर बाबू का मानसिक संघर्ष स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 3) कहानी के तत्वों के आधार पर 'पुरस्कार' कहानी का मूल्यांकन कीजिए।

किंवा

'कलि–कथा : वाया बाइपास' के शिल्प पक्ष को उद्‌घाटित कीजिए।

प्रश्न 4) किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) 'हंसा जाई अकेला' – शीर्षक की सार्थकता;

ख) 'वह क्या था' कहानी में चित्रित भारतीय मानसिकता;

ग) सुभाष–भक्त शांतनु;

घ) 'कलि–कथा : वाया बाइपास' में देश–काल एवं वातावरण।

प्रश्न 5) ससंदर्भ व्याख्या स्पष्ट कीजिए :

क) ''हाँ–हाँ, यही मेरा देश है, यही मेरा प्यारा भारत है। और इसी के दर्शन की, इसी की मिट्‌टी में मिल जाने की आरजू मेरे दिल में थी''।

अथवा

''अरे! मैं यह क्या कर रहा हूँ। मुंबई में किसी ने मेरे विश्वास पर चोट की और मैं यहाँ किसी की आस्था पर चोट करने जा रहा हूँ। कुछ गाँधी को 'बापू' कहते हैं। और कुछ अंबेडकर को 'बाबा'। वहाँ बाबा कहनेवाले मारे गए, यहाँ बापू वाले मारे जा सकते हैं।''

ख) ''पैसा कमाना छोड़ अपने मूल वैश्य धर्म से नीचे उतरकर दान माँगते फिर रहे हैं। करेंगे देशसेवा। मारवाड़ियों के नाम पर कलंक हैं ये लोग। दिमाग फिर गया है। इसीलिए फेरी लगाते घूमते हैं।''

अथवा

''आदमी के अंदर जो इंसानियत नाम की चीज है न किशोर, उसे पेट की आग लील जाती है–पति के लिए पत्नी, पत्नी के लिए पति, संतानों के लिए बूढ़े माँ–बाप–यहाँ तक कि माँ–बाप के लिए अपने बच्चे भी बिकाऊ चीज में बदल जाते हैं यदि उन्हें बेचने से पेट की भूख मिट सके।''

● ● ●

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2526

[Total No. of Pages : 2

[4802] - 1013

M.A. (Part - I) (Semester - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र - 3 : विशेष स्तर

भारतीय साहित्यशास्त्र

(2013-14 पॅटर्न) (Credit and Semester System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) साधारणीकरण की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए करूण रस के आस्वादन की समस्या पर प्रकाश डालिए।

अथवा

रस सूत्र का उल्लेख करते हुए रस निष्पत्ति संबंधी प्रमुख व्याख्याओं का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 2) अलंकार सिद्धांत का स्वरूप स्पष्ट करते हुए अलंकारों का मनोवैज्ञानिक आधार स्पष्ट कीजिए।

अथवा

रीति संप्रदाय का परिचय देते हुए गुण और शैली के संदर्भ में रीति की विशेषताएँ अधोरेखित कीजिए।

प्रश्न 3) ध्वनि की परिभाषा तथा स्वरूप स्पष्ट करते हुए स्फोट सिद्धांत का परिचय दीजिए।

अथवा

ध्वनि सिद्धांत का स्वरूप स्पष्ट करते हुए भारतीय साहित्यशास्त्र की परंपरा में ध्वनि सिद्धांत के महत्व को विशद कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

क) औचित्य सिद्धांत का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

ख) अलंकार के संदर्भ में औचित्य का महत्व विशद कीजिए।

ग) वक्रोक्ति–भेदों का सोदाहरण परिचय दीजिए।

घ) कुंतकपूर्व वक्रोक्ति विचार पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) रस के अवयव।

ख) अलंकार और अलंकार्य।

ग) ध्वनि और शब्द–शक्ति।

घ) औचित्य के भेद।

● ● ●

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2527

[Total No. of Pages : 8

[4802] - 1014

M.A. (Part - I) (Semester - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र - 4 : विशेष स्तर : वैकल्पिक

अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

(2013 पॅटर्न) (Credit and Semester System)

महत्वपूर्ण सूचना : निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

पाठ्यपुस्तके :– कबीर ग्रंथावली – सं. श्यामसुंदर दास

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) संतकाव्य परंपरा में कबीर का स्थान निर्धारित कीजिए।

अथवा

कबीर काव्य में समन्वय की भावना स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) कबीर के रहस्यवाद पर प्रकाश डालिए।

अथवा

कबीर काव्य की प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) कबीर काव्य के आधार पर उनके सामाजिक विचार अभिव्यक्त कीजिए।

अथवा

कबीर के दार्शनिक विचारों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) कबीर के नारी विषयक विचार लिखिए।

ख) पठित काव्य के आधार पर कबीर के राम को संक्षेप में समझाइए।

ग) कबीर के धर्म विषयक विचारों को स्पष्ट कीजिए।

घ) कबीर काव्य में प्रेमतत्व का निरूपण किस प्रकार हुआ है?

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

क) कबीर तेज अनंत का, मानौ ऊगी सूरज सेणि।

पति सँगि जागी सुंदरी, कौतिग दीठा तेणि।।

अथवा

कबीर बादल प्रेम का, हम पर बरष्या आइ।

अंतरि भीगी आत्माँ हरी भईं बनराइ।।

ख) पानी केरा बुदबुदा इसी हमारी जाति।

एक दिना छिप जाँहिगे, तारे ज्यू परभाति।।

अथवा

आँधी पीछे जो जल बूटा, प्रेम हरि जन भीनाँ।

कहै कबीर भाँन के प्रगटे, उदित भया तम बीनाँ।।

Total No. of Questions : 5]

P2527

[4802] - 1014
M.A. (Part - I) (Semester - I)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र - 4 : विशेष स्तर : वैकल्पिक
आ) विशेष साहित्यकार : तुलसीदास
(2013 पॅटर्न) (Credit and Semester System)

पाठ्यपुस्तके :– i) **श्रीरामचरितमानस : अयोध्याकांड**

ii) **विनय पत्रिका :– संपादक :– वियोगी हरि।**

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) तुलसीदास के दार्शनीक विचारों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

रामचरितमानस में चित्रित प्रमुख पात्रों की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) विनयपत्रिका का हेतु स्पष्ट करते हुए उसकी भाषा पर प्रकाश डालिए।

अथवा

भक्ति काव्य में विनय पत्रिका का स्थान निर्धारित कीजिए।

प्रश्न 3) रामचरितमानस के कथानक की विशेषताएँ बताइए।

अथवा

गीतिशैली के आधार पर विनयपत्रिका का मूल्यांकन कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) रामचरितमानस के प्रकृतिचित्रण पर प्रकाश डालिए।

ख) तुलसी के मर्यादावाद का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

ग) विनयपत्रिका में अभिव्यक्त भक्ति के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

घ) विनयपत्रिका का कलापक्ष स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) जिये मीन बरू बारि बिहीना। मनि बिनु फनिकु जिये दुखदीना।।
कहहुँ सुभाउ न छलु मन माहीं। जीवन मोर रामु बिनु नाहीं।।
समुझि देखु जिय प्रिया प्रवीना। जीवनु राम दरस आधीना।।
सुनि मृदु बचन कुमति अति जरई। मनहुँ अनल आहुतिघृत परई।।
कहइ करहु किन कोटि उपाया। इहाँ न लागिहि राउरि माया।।
देहु कि लेहु अजसु करि नाहीं। मोहि न बहुत प्रपंच सोहाहीं।।

अथवा

कहहिं परसपर पुर नर नारी। भलि बनाइ बिधि बात विगारी।।
तन कृस मन दुख बदन मलीने। बिकल मनहुँ माखी मधु छीने।।
कर मीजहिं सिरू धुनि पछिताहीं। जनु बिनु पंख बिहग अकुलाहीं।।
भइ बड़ि भीर भूप दरबारा। बरनि न जाइ विषादु अपारा।।
सचिवँ उठाइ राउ बैठारे। कहि प्रिय बचन रामु पगुधारे।।
सिय समेत दोउतनयनिहारी। ब्याकुलभयउ भूमि पतिभारी।।

ख) मन पछितैहैं अवसर बीते।
दुर्लभ देह पाइ हरिपद भजु, करम, बचन अरू हीते।।
सहजबाहु दसबदन आदिनृप, बचे न काल बलि ते।
हम हम करि धनधाम सँवारे, अंतचले उठि रीते।।
सुत बनितादि जानि स्वारथरत, न करू नेहसबहीते।
अनतहुँ तोहि तजैंगे पामर! तू न तजै अब हीतें।।

अथवा

गाइये गनपति जगबन्दन। संकर–सुवन भवानी–नंदन।।
सिद्धि–सदन, गजबदन, विनायक। कृपा–सिन्धु, सुंदर, सबलायक।।
मोदक–प्रिय, मुद–मंगलदाता। विद्या–वारिधि बुद्धि–विधाता।।
माँगत तुलसीदास कर जोरे। बसहिं राम सिय मानस मोरे।।

● ● ●

Total No. of Questions : 5]

P2527

[4802] - 1014
M.A. (Part - I) (Semester - I)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र - 4 : विशेष स्तर: वैकल्पिक
इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार सुरेंद्र वर्मा
(2013 पॅटर्न) (Credit and Semester System)

पाठ्यपुस्तके :–
i) **सेतुबंध,**
ii) **सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक,**
iii) **आठवाँ सर्ग,**
iv) **रति का कंगन।**

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) समकालीन हिंदी नाटक प्रयोगधर्मी है– कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

हिंदी नाट्य–विकास में सुरेंद्र वर्मा के योगदान पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) 'सेतुबंध' में नारी जीवन की विवशता, परवशता दैन्य और असमर्थता को खूबी से अभिव्यक्त किया है–कथन को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'कालिदास का चरित्र आधुनिक भावबोध पर खड़ा है'– 'आठवाँ सर्ग' के आधार पर कथन का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 3) 'सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक' नाटक में वर्माजी ने स्त्री–पुरूष संबंधों का एक विशेष कोण से प्रस्तुत किया है' कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'रति का कंगन' में नाटककार ने मल्लिनाग की विशिष्ट मनस्थिति का यथार्थ चित्रण किया है– कथन का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) नाटक विधा के संदर्भ में संवाद तत्त्व का महत्व स्पष्ट कीजिए।

ख) सुरेंद्र वर्मा की नाट्यकृतियों का परिचय दीजिए।

ग) 'आठवाँ सर्ग' के कौटिल्य की नीति को स्पष्ट कीजिए।

घ) 'सेतुबंध' के शीर्षक की सार्थकता लिखिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :–

क) ''माँ तो हूँ ..... लेकिन स्त्री भी तो हूँ। क्योंकि माँ हूँ ..... इस लिए स्त्री होने का अधिकार ..... नहीं ..... विवशता ..... छिन जाएगी।

अथवा

''शासन स्वयं चलकर ऐसे रचनाकार का अभिनंदन करने आएगा, जिसकी लोकप्रियता की जड़ें देश के इस छोर से उस छोर तक के नागरिकों के मन में बहुत गहरे पैठ गई हैं।''

ख) ''जब आत्मसंतोष की अंधी दौड़ हो व्यक्तिगत सुख की खोज ..... तो जीवन बहुत कठिन हो जाता .....।''

अथवा

''प्रेम को लेकर हमारी जीवन शैली सदा से उदार रही है। हमारा साहित्य ..... ललित कलाएँ ..... स्थापत्य ..... संगीत .....''

● ● ●

Total No. of Questions : 5]

P2527

[4802] - 1014

M.A. (Part - I) (Semester - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र - 4 : विशेष स्तर: वैकल्पिक

ई) विशेष साहित्यकार : कवि रामधारीसिंह दिनकर

(2013 पॅटर्न) (Credit and Semester System)

पाठ्यपुस्तके :–
i) **करूक्षेत्र**
ii) **उर्वशी**
iii) **हुंकार**
iv) **बापू**

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) ''कुरूक्षेत्र' वीर रस से परिपूर्ण है।'' इस कथन की सार्थकता को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'उर्वशी' काव्य की संवाद योजना पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) 'कवि रामधारीसिंह दिनकर की 'दिगम्बरि' और 'विपथगा' कविता में क्रांति का स्वर अभिव्यक्त हुआ है।' स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'बापू' काव्य में अभिव्यक्त कवि के राष्ट्रीय भावना को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) कवि रामधारीसिंह दिनकर का जीवन परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

कवि रामधारीसिंह दिनकर के काव्य में प्रकृति–चित्रण को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) 'कुरूक्षेत्र' के सप्तम सर्ग का सारांश लिखिए।

ख) सुकन्या का चरित्र–चित्रण कीजिए।

ग) 'सिपाही' कविता का आशय स्पष्ट कीजिए।

घ) 'बापू' काव्य का शैली पक्ष स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

क) ''कौन यहाँ राजा किसका है?

किसकी, कौन प्रजा है?

नर ने होकर भ्रमित स्वय ही

यह बन्धन सिरजा है।

अथवा

मैं मानवी नहीं, देवी हूँ; देवों के आनन पर

सदा एक झिलमिल रहस्य–आवरण पड़ा होता है।

उसे हटाओ मत, प्रकाश के पूरा खुल जाने से,

जीवन में जो भी कवित्व है, शेष नहीं रहता है।

ख) कितनी द्रुपदा के बाल खुले,

कितनी कलियों को अन्त हुआ?

कह हृदय खोल चित्तौर यहाँ

कितने दिन ज्वाला–वसन्त हुआ?

अथवा

संसार पूजता जिन्हें तिलक, रोली, फूलों के हारों से

मैं उन्हें पूजता आया हूँ बापू! अब तक अंगारो से।

अंगार विभूषण यह उनका, विद्युत पी कर जो आते हैं,

उँगती शिखाओं की लौ में, चेतना नई भर जाते हैं।

● ● ●

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2528

[Total No. of Pages : 2

[4802] - 2011

M.A. (Part - I) (Semester - II)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 5 : सामान्य स्तर : मध्ययुगीन हिंदी काव्य

(सूरदास, बिहारी तथा भूषण)

(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

पाठ्य पुस्तकें :– 1) सूरदासः भ्रमरगीत सार संपा. आ. रामचंद्र शुक्ल

2) बिहारी रत्नाकरः श्री जगन्नाथ 'रत्नाकर'

3) रीतिकाव्य धाराः संपा. डॉ. रामचंद्र तिवारी, डॉ. रामफेर त्रिपाठी.

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न 1) सूर के गोपियों की वाग्विदग्धता पर–प्रकाश डालिए।

अथवा

सूरदास के भ्रमरगीत की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) बिहारी के श्रृँगारेतर काव्य का सोदाहरण परिचय दीजिए।

अथवा

बिहारी के बिरह वर्णन की विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 3) भूषणकालीन परिस्थितियों का संक्षेप में परिचय दीजिए।

अथवा

भूषण के काव्य शिल्प पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

i) सूर के गोपियों की विशेषताएँ लिखिए।

ii) भूषण के काव्य में रायगढ़ वैभव का वर्णन किस प्रकार हुआ है?

P.T.O.

iii) बिहारी के सौन्दर्य चित्रण पर प्रकाश डालिए।

iv) भूषण की अलंकार योजना को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

i) बिलग जनि मानहु, ऊधौ प्यारे!
वह मथुरा काजर की कोठरि जे आवहिं ते कारे।।
तुम कारे, सुफलकसुत कारे, कारे मधुप भँवारे।
तिनके संग अधिक छवि उपजत कमलनैन मनिआरे।।
मानहु नील माट तें काढ़े ले जमुना ज्यों परवारे।
ता गुन स्याम भई कालिंदी सूर स्याम–गुन न्यारे।।

ii) नहिं परागु नहिं मधुर मधु नहिं विकासु इहिं काल।
अली, कली ही सौं बंध्यौ, आगैं कौन हवाल।।

iii) कामिनि कंत सों जामिनि चंद सों, दामिनि पावस मेघ घटासों।
कीरति दान सों सूरति ज्ञानसों प्रीति बड़ी सनमान महासों।।
भूषन भूषन सों तरूनि नलिनी नव पूषनदेव प्रभा सों।।
जाहिर चारिहु ओर जहान लसै हिंदुआन खुमान सिवा सों।।

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P2529 [Total No. of Pages : 2

[4802] - 2012
M.A. (Part - I) (Semester - II)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 6 : विशेष स्तर
आधुनिक हिंदी नाटक और निबंध
(2013 Pattern) (Credit System)

पाठ्यपुस्तकें :– 1) नाटक – 'अभंग–गाथा' ... नरेंद्र मोहन
2) निबंध माला – संपा. डॉ. सुरेश बाबर
डॉ. नीला बोर्वणकर

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) 'डॉ. नरेंद्र मोहन ने हिंदी नाट्य – साहित्य को एक नई दिशा प्रदान की है' – कथन का विवेचन कीजिए।

अथवा

नाटक के तत्त्वों के आधार पर 'अभंग–गाथा' की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 2) नवें दशक के हिंदी निबंधों की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

'मिले तो पछताए' निबंध की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 3) 'शब्द, सृजन और जिंदगी तुकाराम के लिए अलग–अलग नहीं, एक ही हैं' – कथन के परिप्रेक्ष्य में तुकाराम का चरित्र – चित्रण कीजिए।

अथवा

'ताज़' निबंध का संदेश स्पष्ट कीतिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) 'अभंग–गाथा' नाटक की प्रासंगिकता,

ख) 'अभंग–गाथा' का मंबाजी,

ग) 'उत्साह' निबंध में लेखकीय चिंतन,

घ) 'अंधी जनता, लँगड़ा जनतंत्र' का व्यंग्य।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) ''रूको, यह आखिरी अनाज घर में है। हमें भूखे मारोगे? मेरा पति पागल हो गया है। भाग जाओ।''

अथवा

''एक बीज अणु रेणु – सा छोटा, आकाश – सा बड़ा। ज्ञान, ज्ञाता और ज्ञेय का भेद समाप्त हो गया है – मिट गई त्रिपुटी। दीप जगमगा घटी।''

ख) ''निष्कर्ष यह है कि संस्कृति सभ्यता की अपेक्षा महीन चीज़ होती है। यह सभ्यता के भीतर उसी तरह व्याप्त रहती है जैसे दूध में मक्खन या फूलों में सुगंध।''

अथवा

''मोती के संदर्भ तो दिवास्वप्न हो गए। चूना कुछ–कुछ बचा है। पर मनुष्य बिना पानी के कैसे जिएगा? खरीदा हुआ पानी और खरीदी हुई संस्कृति से जीवन न तो चलता है और न ही सँवरता है।'

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P2530 [Total No. of Pages : 2

[4802] - 2013
M.A. (Part - I) (Semester - II)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 7 : विशेष स्तर
पाश्चात्य साहित्यशास्त्र
(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न 1) प्लेटो के काव्य विषयक सिद्धांतों की समीक्षा कीजिए।

अथवा

विरेचन सिद्धांत के स्वरूप एवं महत्व पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) उदात्त सिद्धांत का स्वरूप एवं महत्व स्पष्ट कीजिए।

अथवा

रिचर्डस् के मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद का विस्तार से परिचय दीजिए।

प्रश्न 3) इलियट के निर्वैयक्तिकता सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत का विस्तार से विवेचन कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

क) प्रतीकवादी आंदोलन का परिचय दीजिए।

ख) संरचनावाद का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

ग) व्याख्यात्मक आलोचना प्रणाली का महत्व विशद कीजिए।

घ) मार्क्सवादी आलोचना प्रणाली के महत्व पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) त्रासदी का स्वरूप;

ख) काव्य में उदात्त तत्व;

ग) पाश्चात्य साहित्यशास्त्र में इलियट का स्थान;

घ) तुलनात्मक आलोचना प्रणाली।

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P2531 [Total No. of Pages : 8

[4802] - 2014

M.A. (Part - I) (Semester - II)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 8 : विशेष स्तर : वैकल्पिक : विशेष विधा तथा अन्य

(2013 Pattern) (Credit System) (Optional Paper - I)

महत्वपूर्ण सूचना : निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) हिंदी उपन्यास

पाठ्य पुस्तकें :– 1) चित्रलेखा – भगवतीचरण वर्मा

2) गोदान – प्रेमचंद

3) अलग अलग वैतरणी – शिवप्रसाद सिंह

4) परिशिष्ट – गिरिराज किशोर

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न 1) 'गोदान' उपन्यास के प्रमुख पात्रों के चरित्र विकास पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'चित्रलेखा' उपन्यास पाप और पुण्य की व्याख्या प्रस्तुत करता है,' कथन को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) 'अलग–अलग वैतरणी' उपन्यास में चित्रित ग्रामीण समस्याओ पर प्रकाश डालिए।

अथवा

औपन्यासिक तत्वों के आधार पर 'परिशिष्ट' उपन्यास की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 3) आधुनिक हिंदी उपन्यासों में प्रयुक्त होने वाली प्रमुख शैलियों का विवेचन कीजिए।

अथवा

हिंदी उपन्यासों की विविध प्रवृत्तियों का उल्लेख करते हुए उसमें मनोवैज्ञानिक और आँचलिक प्रवृत्तियों का महत्व स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्ही दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) 'अलग–अलग' वैतरणी का शीर्षक

ख) 'गोदान' में सामाजिक समस्या

ग) 'चित्रलेखा' का चारित्रिक विकास

घ) 'परिशिष्ट' उपन्यास की भाषा।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) ''नीति हाथ से न छोड़ना चाहिए बेटा, अपनी–अपनी करनी अपने साथ है। हमने जिस ब्याज पर रूपए लिए, वह तो देने ही पड़ेगे। फिर ब्राह्मण ठहरे। इनका पैसा हमें पचेगा? ऐसा माल तो इन्हीं लोगों को पचता है।''

अथवा

गुरूदेव पुरूष दो विवाह कर सकता है, और वह दोनों पत्नियों से प्रेम कर सकता है, फिर स्त्री क्यों ऐसा नही कर सकती। स्त्री अपने पति से उतना ही प्रेम कर सकती है, जितना अपने पुत्र से। आत्मिक संबंध कई व्यक्तियों से एक साथ संभव है।

ख) ''और बेटे, देवी चौधरी ने अपने पोते के सर पर हाथ रखकर कसम खा ली। शिव जी की पिंडी उठाते वक्त भी वह जरा काँपा नहीं। मैं सब कुछ हार गया। मैने इंसान की अंदरूनी अच्छाई में ईमान लाकर सब गवाँ दिया।''

अथवा

''हो सकता है डर मुझे भी लगता हो पर डरेंगे कब तक? खन्ना कह रहा था, हमारा कहा मानोगे तो पार लग जाओगे ..... नहीं तो अगली आत्महत्या जरूर देखना।''

Total No. of Questions : 5]

P2531

[4802] - 2014
M.A. (Part - I) (Semester - II)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 8 : विशेष स्तर : वैकल्पिक
(ख) हिंदी यात्रा साहित्य : स्वरूप और विकास
(2013 Pattern) (Credit System) (Optional Paper - I)

पाठ्य पुस्तकें :– 1) मेरी जीवन यात्रा भाग 2 – राहुल सांकृत्यायन
2) एक बूँद सहसा उछली – अज्ञेय
3) चीड़ों पर चाँदनी – निर्मल वर्मा
4) सूर्य मंदिरों की खोज में '....डॉ. श्याम सिंह शशि'.

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न 1) 'यात्रा साहित्य' एक कलापूर्ण वाङ्मय प्रकार है जिसमें काव्यात्मकता, चिंतनशीलता, विनोदवृत्ति आदि का समन्वय होता है' – पठित यात्रा साहित्य के आधार पर कथन का विवेचन कीजिए।

अथवा

स्वतंत्रतापूर्व यात्रा साहित्य का सोदाहरण परिचय दीजिए।

प्रश्न 2) यात्रा साहित्य के तत्त्वों के आधार पर 'मेरी जीवन–यात्रा' की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'एक बूँद सहसा उछली' घूमक्कडी का काव्य है, उसमें मंत्र नहीं, आस्था बोलती है' – कथन के आधार पर अज्ञेय के यात्रा – साहित्य की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 3) 'चीड़ो पर चाँदनी' निर्मल वर्मा का संस्मरणात्मक शैली में लिखा गया यात्रा – वर्णन है, जो लेखक की गहरी आध्यात्मिक व्याकुलता को स्पष्ट करता है' – कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'डॉ. श्यामसिंह शशि जिस सूर्य मंदिर को देखते हैं उसका ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, गणितीय रूप में परिचय दिलाते हैं' – कथन की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्ही दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) उत्तर शती का यात्रा साहित्य,

ख) 'चीड़ों पर चाँदनी' की भाषा,

ग) 'मेरी जीवन–यात्रा' में लेखक का व्यक्तित्व,

घ) 'एक बूँद सहसा उछली' का शीर्षक।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :–

क) ''भिक्षुओं की पढ़ाई की गति बहुत मंद हुआ करती है। वे समझते हैं, जल्दी क्या है? सारा जीवन तो पढ़ने के लिए ही है।''

अथवा

'फालतू असबाब से छुट्टी पाते हुए सहज भाव से यात्रा करना, सीखते चलना ही मेरा उद्देश्य रहा है – विदेशाटन में ही नहीं, जीवन – यात्रा में भी।'

ख) 'पहाड़ो पर चाँदनी का यह अद्भुत माया–जाल ..... मैंने पहली बार देखा था और एक अलौकिक विस्मय में मेरी आँखें अनायास मुँद गई थी।'

अथवा

'वास्तव में साँप इतना खतरनाक नहीं होता जितना आदमी का सर्पीला स्वभाव .....पता नहीं कब दंश मार जाए।'

Total No. of Questions : 5]

P2531

[4802] - 2014
M.A. (Part - I) (Semester - II)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 8 : विशेष स्तर : वैकल्पिक
(ग) प्रयोजनमूलक हिंदी
(2013 Pattern) (Credit System) (Optional Paper - I)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न 1) राजभाषा हिंदी का संवैधानिक स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा

विज्ञापन लेखन का स्वरूप स्पष्ट करते हुए असकी भाषिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) अनुवाद का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

कम्प्यूटर की विविध प्रयुक्तियों का परिचय दीजिए।

प्रश्न 3) संचार माध्यमों के संदर्भ में रेडियो और टेलीविजन लेखन की विशेषताएँ विशद कीजिए।

अथवा

कार्यालयीन लेखन के संदर्भ में प्रारूपण का विस्तृत विवेचन कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

क) अनुवाद में कोश का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

ख) पारिभाषिक शब्द निर्माण की प्रवृत्तियाँ विशद कीजिए।

ग) पल्लवन का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

घ) व्यवसाय क्षेत्र में कम्प्युटर का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) **निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :**

क) संपर्क भाषा,

ख) पटकथा लेखन,

ग) कम्प्यूटर और खेल जगत,

घ) संक्षेपण।

Total No. of Questions : 5]

P2531

[4802] - 2014

M.A. (Part - I) (Semester - II)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 8 : विशेष स्तर : वैकल्पिक

(घ) हिंदी दलित साहित्य

(2013 Pattern) (Credit System) (Optional Paper - I)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

पाठ्य पुस्तकें :– 1) जस तस भई सबेर :– सत्यप्रकाश

2) जूठन :– ओमप्रकाश वाल्मिकी

3) नयी सदी की पहचान : श्रेष्ठ दलित – कहानियाँ संपादक :– मुद्राराक्षस

4) गूँगा नहीं था मैं :– जय प्रकाश कर्दम

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न 1) परम्परागत साहित्य और दलित साहित्य के साम्य और भेद पर प्रकाश डालिए।

अथवा

दलित साहित्य के प्रेरणा स्त्रोत के रूप में कबीर और संत रैदास के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) 'जस तस भई सबेर' उपन्यास की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'जूठन' आत्मकथा में लेखक ने अपनी व्यथा का चित्रण किस प्रकार किया है?

प्रश्न 3) 'नई सदी की पहचान' कहानी संग्रह के भावपक्ष पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'गूंगा नहीं था मैं' में व्यक्त आन्तरिक संघर्ष को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणीयाँ लिखिए :

क) दलित साहित्य का अभिव्यक्ति पक्ष;

ख) दलित विमर्श की व्याख्या;

ग) जस तस भई सबेर उपन्यास की भाषा;

घ) गँगा नहीं था मैं, शीर्षक की सार्थकता।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणो की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) ''काम तुम्हारे आता होगा चौधरी। उसी ने साजिश करके मुझे जेल में डलवाया था। और भगतजी से भी भगताई तुम्हीं कराते हो। मैं तो इन लोगों को भली पूर्वक समझता हूँ।'' सखन ने दो टूक कहा।''

अथवा

''चूहडे के, तू द्रोणाचार्य से अपनी बराबरी करे है ..... ले तेरे उपर मैं महाकाव्य लिखूँगा....'' उसने मेरी पीठ पर सटाक-सटाक छड़ी से महाकाव्य रच दिया था। वह महाकाव्य आज भी मेरी पीठ पर अंकित है।''

ख) ''हे कूड़ा देवता, आप शूद्रों की बस्ती में आने का, फिर कष्ट मत करिएगा। आप देवता है। अत: धरती के देवता, ब्राह्मण देवता की बस्ती में पधारें और वही विराजें। कृपा होगी नाथ। जय महाराज की।''

अथवा

''मानव अधिकार के इस

हनन के खिलाफ

करोडों दलित वंचित हैं

सदियों से

बहुत सारे मानव-अधिकारों से।''

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P2532 [Total No. of Pages : 2

[4802] - 3011
M.A. (Semester - III)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 9 : सामान्य स्तर : आधुनिक काव्य – I
(महाकाव्य तथा खंडकाव्य)
(2013 Pattern) (Credit System)

पाठ्यपुस्तकें :– *i) कामायनी – जयशंकर प्रसाद*
ii) गोपा–गौतम – डॉ. जगदीश गुप्त

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न 1) कामायनी के आधार पर मनु का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

कामायनी में व्यक्त छायावाद की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) गोपा–गौतम के आधार पर गौतम के मानसिक संघर्ष को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'गोपा–गौतम संवाद काव्य है' – स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) 'कामायनी आधुनिक युग का महाकाव्य है' – विवेचन कीजिए।

अथवा

गोपा–गौतम की सर्ग–योजना पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणीयाँ लिखिए :

क) 'श्रद्धा' सर्ग का सौंदर्य

ख) कामायनी में प्रस्तुत समरसता सिद्धांत

ग) गोपा–गौतम में व्यक्त गोपा का दु:ख

घ) गोपा–गौतम की भाषागत विशेषताएँ।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) ''तुम भूल गए पुरूषत्व–मोह में कुछ सत्ता है नारी की
समरसता है संबंध बनी अधिकार और अधिकारी की।''
जब गूँजी यह वाणी तीखी कंपित करती अंबर अकूल
मनु को जैसे चुभ गया शूल।

अथवा

चलता था धीरे–धीरे वह एक यात्रियों का दल,
सरिता के रम्य पुलिन में गिरिपथ से, ले निज संबल।
था सोम लता से आवृत वृष धवल, धर्म का प्रतिनिधि,
घंटा बजता तालों में उसकी थी मंथर गति–विधि।

ख) ओज मन का
स्वयं ही निस्तेज होकर सो गया।
पितृऋण से मुक्ति का विश्वास
सारा खो गया।
राजकुल चिंतित हुआ फिर,
सांध्य–छाया की तरह
चिंता लगी बढ़ने।

अथवा

लगता है, परिणय हो जाने के बाद भी
पूरा तुम्हारा स्वत्व
मुझमें विलीन नहीं हो पाया;
'पर' ही समझती रहीं मुझको तुम।
जब मृण्मय काया ही अपनी क्षण–भंगुर है,
मोह क्या करूँ मैं काया–जात का?

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P2533 [Total No. of Pages : 2

[4802] - 3012

M.A. (Semester - III)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 10 : विशेष स्तर भाषाविज्ञान

(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) भाषा के अभिलक्षण स्पष्ट करते हुए भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार पर प्रकाश डालिए।

अथवा

भाषाविज्ञान की शाखाओं का परिचय दीजिए।

प्रश्न 2) स्वन की परिभाषा देकर स्वर वर्गीकरण समझाइए।

अथवा

स्वनिम के भेद स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) रूपिम के भेदों का विवेचन कीजिए।

अथवा

रूपविज्ञान का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) वाक्य की परिभाषा देते हुए वाक्य संबंधी सिद्धांतों का विवेचन कीजिए।

ख) वाक्य विश्लेषण में मूलवाक्य, रूपांतरित वाक्य आदि का महत्व विशद कीजिए।

ग) अर्थविज्ञान का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

घ) शब्द और अर्थ का संबंध स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :–

क) लिपिविज्ञान

ख) स्वर वर्गीकरण

ग) स्वानिमिक विश्लेषण

घ) भाषाविज्ञान और साहित्य का पारस्परिक संबंध।

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P2534 [Total No. of Pages : 2

[4802] - 3013

M.A. (Semester - III)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 11 : विशेष स्तर

हिंदी साहित्य का इतिहास

(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल तक)

(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न 1) आदिकाल के विविध नाम देते हुए नामकरण के विविध आधारों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आदिकालीन जैन साहित्य पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) भक्तिकालीन सामाजिक तथा राजनीतिक पृष्ठभूमि का विवेचन कीजिए।

अथवा

भक्ति आंदोलन के उदय के कारणों की चर्चा कीजिए।

प्रश्न 3) रीतिकाल की पृष्ठभूमि को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'रीतिकालीन साहित्य पर संस्कृत साहित्य का प्रभाव है' – साधार लिखिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

क) आदिकाल की राजनीतिक पृष्ठभूमि स्पष्ट कीजिए।

ख) हिंदी के प्रमुख सूफी कवियों का परिचय दीजिए।

ग) कृष्णभक्ति शाखा की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

घ) रीतिकालीन वीररसात्मक काव्य का विवेचन कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) सिद्ध साहित्य

ख) रामभक्ति शाखा

ग) रीतिकाल का नामकरण

घ) आ. केशवदास।

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P2535 [Total No. of Pages : 6

[4802] - 3014
M.A. (Semester - III)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 12 : विशेष स्तर : वैकल्पिक
(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना
(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) आलोचना की परिभाषा देते हुए आलोचक के प्रमुख गुणों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

हिंदी आलोचना के क्षेत्र में आ. महावीरप्रसाद द्विवेदी का योगदान स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) आ. रामचंद्र शुक्लजी की आलोचना पद्धति की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचनात्मक ग्रंथों का परिचय दीजिए।

प्रश्न 3) डॉ. रामविलास शर्मा की आलोचना पद्धति का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आलोचना के संदर्भ में डॉ. नंददुलारे बाजपेयी की मान्यताओं का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए –

क) हिंदी आलोचना क्षेत्र में डॉ. नामवरसिंह का स्थान स्पष्ट कीजिए।

ख) विखंडन की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

ग) समकालीन आलोचना की विशेषताएँ लिखिए।

घ) विडंबना और विसंगति पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) आलोचना का उद्देश्य

ख) शुक्लपूर्व हिंदी आलोचना

ग) डॉ. नामवरसिंह के प्रमुख आलोचना ग्रंथ

घ) अजनवीपन।

Total No. of Questions : 5]

P2535

[4802] - 3014
M.A. (Semester - III)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 12 : विशेष स्तर : वैकल्पिक
(आ) अनुवाद विज्ञान
(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) अनुवाद की परिभाषाएँ देते हुए उसके महत्व एवं व्याप्ति पर प्रकाश डालिए।

अथवा

अनुवाद कार्य में सहायक साधनों की चर्चा कीजिए।

प्रश्न 2) अनुवाद विज्ञान में भाषाविज्ञान के अंगों की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए।

अथवा

विधा के आधार पर अनुवाद के भेद विशद कीजिए।

प्रश्न 3) वैज्ञानिक अनुवाद का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

वाणिज्य, व्यापार, बैंक के अनुवाद की आवश्यकता देकर उनकी व्याप्ति पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) कंप्यूटर अनुवाद की समस्याएँ विशद कीजिए।

ख) काव्यानुवाद की कौन–कौन–सी सीमाएँ हैं?

ग) अनुवाद समीक्षा का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

घ) मुहावरों का अनुवाद किस प्रकार किया जाता है?

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) अर्थयोग तथा अर्थहानि

ख) शब्दानुवाद

ग) बैंक क्षेत्र की सामग्री के अनुवाद की आवश्यकता

घ) काव्यानुवाद।

Total No. of Questions : 5]

P2535

[4802] - 3014
M.A. (Semester - III)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 12 : विशेष स्तर : वैकल्पिक
(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी
(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) इलेक्ट्रॉनिक अंतर्ग्रंथन का विवेचन कीजिए।

अथवा

भारतीय संचार तकनीक के इतिहास पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) पत्रकारिता में साहित्य का प्रयोग किस प्रकार किया जाता है? समझाइए।

अथवा

पत्रकारिता का स्वरूप स्पष्ट करते हुए विश्वपत्रकारिता पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3) प्रिंट पत्रकारिता में प्रुफ शोधन एवं ले आऊट का महत्व विशद कीजिए।

अथवा

पत्रकारिता के मूल तत्वों में संपादकीय लेखन का विशेष महत्व होता है – विवेचन कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में रेडियो तथा टीवी अहम् भूमिका कैसे निभाते हैं?

ख) लघु पत्रकारिता का महत्व समझाइए।

ग) पत्रकारिता का सामाजिक दायित्व विशद कीजिए।

घ) भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) बच्चों के कार्यक्रम

ख) भारत में पत्रकारिता का आरंभ

ग) विभिन्न स्तंभों की योजना

घ) इंटरनेट पत्रकारिता।

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P2536 [Total No. of Pages : 2

[4802] - 4011
M.A. (Part - II) (Semester - IV)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 13 : सामान्य स्तर आधुनिक काव्य – 2
(विशेष कवि कुँवर नारायण तथा नई कविता)
(2013 Pattern) (Credit System)

पाठ्यपुस्तकें :– i) विशेष कवि कुँवर नारायण
संपा. डॉ. सुरेश बाबर, डॉ. नीला बोर्वणकर
ii) नई कविता
संपा. डॉ. सुरेश बाबर, डॉ. अलका पोतदार

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न 1) कवि कुँवर नारायण की काव्यगत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कुँवर नारायण की कविता के शिल्प–पक्ष पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) 'लिलाधर जगूडी की कविता में सामाजिक यथार्थ का चित्रण मिलता है' – सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

उदय प्रकाश के काव्य का भाव पक्ष स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) कुँवर नारायण के काव्य की मिथकीय योजना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'दामोदर मोरे की कविता में यथार्थ, विचार और कल्पना का त्रिवेणी संगम पाया जाता है'– स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) कुँवर नारायण कृत 'आजकल कबीरदास' कविता की संवेदना

ख) कुँवर नारायण के काव्य में प्रतीक योजना

ग) कात्यायनी की काव्य–संवेदना

घ) लीलाधर जगूडी कृत 'बीमारी जो गरिबी है' में व्यक्त सामाजिक चिंता।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

क) वैसे सच तो यह है कि मेरे लिए
बाजार एक ऐसी जगह है
जहाँ मैंने हमेशा पाया है
एक ऐसा अकेलापन जैसा मुझे
बड़े–बड़े जंगलों में भी नहीं मिला।

अथवा

सवाल अब आदमी का ही नहीं
शहर की जिंदगी का भी है
उसने बुरी तरह
चीर फाड़ डाला है मनुष्य को।

ख) जब भी कोई साधारण आदमी
कहता है, 'मैं तुम्हें प्यार करता हूँ'
तो वह खुद से कह रहा होता है
कि वह अच्छाइयों से
प्यार करने की कुव्वत रखता है
(क्यों कि एक बुरा आदमी भी
बुराइयों से कभी प्यार नहीं करता)

अथवा

मुझे बर्दास्त नहीं होता
राज सिंहासन पर
गिद्ध का बैठ जाना।
मुझे बर्दास्त नहीं होता
लाल किले पर
गरीबों का मजाक उड़ाना.....।

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P2537 [Total No. of Pages : 2

[4802] - 4012

M.A. - II (Semester - IV)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 14 : विशेष स्तर – हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास

(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न 1) हिंदी भाषा के उद्‌भव एवं विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय दीजिए।

अथवा

आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं के वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) हिंदी की बोलियों के वर्गीकरण का परिचय देते हुए उनके क्षेत्रों का विवेचन कीजिए।

अथवा

हिंदी के लिंग, वचन और कारक व्यवस्था को समझाइए।

प्रश्न 3) देवनागरी लिपि की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

हिंदी प्रसार के आंदोलन में प्रमुख व्यक्तियों ने किस प्रकार योगदान दिया? विवेचन कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) वैदिक संस्कृत का परिचय दीजिए।

ख) ग्रियर्सन के वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए।

ग) अपभ्रंश और पुरानी हिंदी का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

घ) हिंदी के शब्द निर्माण पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) आर्यभाषाओं के संदर्भ में चटर्जी का वर्गीकरण,

ख) पालि की विशेषताएँ,

ग) सर्वनाम,

घ) खरोष्ठी लिपि।

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P2538 [Total No. of Pages : 2

[4802] - 4013

M.A. (Part - II) (Semester - IV)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र : 15 विशेष स्तर – हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न 1) हिंदी नाटक के विकासक्रम का परिचय दीजिए।

अथवा

हिंदी कहानी साहित्य के विकास में कहानीकार प्रेमचंद के योगदान पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) छायावादी काव्यधारा की सामान्य प्रवृत्तियों का परिचय देते हुए कवयित्री महादेवी वर्मा के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

नई कविता के उद्‌भव एवं विकास का परिचय दीजिए।

प्रश्न 3) हिंदी निबंध साहित्य के विकास में आ. रामचंद्र शुक्ल जी के योगदान पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'प्रगतिवादी काव्यधारा के उद्‌भव एवं विकास में कवि केदारनाथ अग्रवाल का अग्रगण्य स्थान है।' –स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

क) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास साहित्य का परिचय दीजिए।

ख) हिंदी एकांकी के उद्‌भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।

ग) प्रयोगवादी काव्यधारा के प्रवर्तक कवि अज्ञेय का परिचय दीजिए।

घ) साठोत्तरी कवि – दुष्यंतकुमार के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) उपन्यासकार श्रीलाल शुक्ल।

ख) हिंदी का यात्रा साहित्य।

ग) राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त।

घ) भारतेंदु युगीन काव्य की सामान्य विशेषताएँ।

Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P2539 [Total No. of Pages : 6

[4802] - 4014

M.A. (Semester - IV) (Optional)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 16 : विशेष स्तर : वैकल्पिक

(क) भारतीय साहित्य

(ख) लोकसाहित्य

(ग) अनुसंधान प्रक्रिया : स्वरूप और क्षेत्र

(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न 1) भारतीय साहित्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके अध्ययन की समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'भारतीय साहित्य भारतीय संस्कृति का दर्पण है,' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) ''बारोमास' में वर्तमान ग्रामीण भारत प्रतिबिंबित हुआ है,'' साधार समझाइए।

अथवा

'बारोमास' में शिक्षित किसान युवक की व्यथा व्यक्त हुई है, सोदाहरण विवेचन कीजिए।

प्रश्न 3) 'नागमंडल' में व्यक्त भारतीयता पर एक निबंध लिखिए।

अथवा

'नागमंडल' के प्रमुख पात्रों का परिचय दीजिए।

प्रश्न 4) 'खानाबदोश' आत्मकथा के आधार पर अजीत कौर के जीवन का परिचय दीजिए।

अथवा

'खानाबदोश' में व्यक्त भारतीयता पर चर्चा कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) भारतीयता और समाजशास्त्र

ख) 'बारोमास' का शीर्षक

ग) 'नागमंडल' में प्रयोगशीलता

घ) 'खानाबदोश' में चित्रित वातावरण

Total No. of Questions : 5]

P2539

[4802] - 4014
M.A. (Semester - IV) (Optional)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 16 : विशेष स्तर : वैकल्पिक
(ख) लोकसाहित्य
(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न 1) लोकसाहित्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके महत्त्व को प्रतिपादित कीजिए।

अथवा

लोकसाहित्य का समाज विज्ञान, मनोविज्ञान और अर्थशास्त्र के साथ संबंध स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) लोकगीत की विशेषताओं को समझाते हुए लोकगीत और शिष्टगीत के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

लोकगाथा की परिभाषा एवं स्वरूप को विशद करते हुए उसकी विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 3) लोककथा की परिभाषा देते हुए उसकी विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

लोकनाट्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए यक्षगान और नौटंकी का परिचय दीजिए।

प्रश्न 4) लोकसाहित्य में मुहावरों तथा सूक्तियों का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उनके साहित्यिक महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

लोकसाहित्य में व्यक्त भाव–संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) लोकवार्ता का स्वरूप

ख) होली गीत

ग) महाराष्ट्र का लोकनाट्य–गोंधळ

घ) लोकसाहित्य में मंत्र, टोना।

Total No. of Questions : 5]

P2539

[4802] - 4014
M.A. (Semester - IV) (Optional)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 16 : विशेष स्तर : वैकल्पिक
(ग) अनुसंधान प्रक्रिया : स्वरूप और क्षेत्र
(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) अनुसंधान के लिए प्रयुक्त विभिन्न शब्दों पर प्रकाश डालकर उनका औचित्य विशद कीजिए।

अथवा

अनुसंधान की विवेचन पद्धति सोदाहरण समझाइए।

प्रश्न 2) अनुसंधान के मूलतत्व कौन–कौन–से हैं? सोदाहरण समझाइए।

अथवा

साहित्यिक और साहित्येतर अनुसंधान के साम्य–वैषम्य पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3) अनुसंधान की प्रक्रिया विशद कीजिए।

अथवा

भाषा और साहित्य का अध्यापन किस प्रकार किया जाता है? –विवेचन कीजिए।

प्रश्न 4) शोधप्रबंध की लेखन प्रणाली पर प्रकाश डालिए।

अथवा

अनुसंधान कार्य घटक और पाठालोचन पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) अनुसंधान में वस्तुनिष्ठता

ख) ऐतिहासिक अनुसंधान

ग) शोधकर्ता के गुण

घ) शोधप्रबंध में भूमिका का महत्व।